*विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग 1948-49 को राधाकृष्णन कमीशन भी कहा जाता है

*स्वतंत्र भारत का सबसे पहला आयोग उच्च शिक्षा से संबंधित था

*राधाकृष्णन आयोग ने यूजीसी की स्थापना की सिफारिश की

*1953 में यूजीसी की स्थापना हुई और 1956 में इसे संवैधानिक मान्यता दी गई

*ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रामीण विश्वविद्यालय की स्थापना का सुझाव दिया

*राधाकृष्णन आयोग की सिफारिश पर 1948 में एनसीसी एंड 1969 में एनएसएस की स्थापना हुई

*उच्च शिक्षा स्तर पर सहशिक्षा यानी को-एजुकेशन की सिफारिश की

*प्राथमिक माध्यमिक एवं उच्च स्तर पर धार्मिक शिक्षा को अनिवार्य किए जाने की सिफारिश राधाकृष्णन आयोग ने की

*भारत में 42 वें संविधान संशोधन द्वारा 1976 में शिक्षा को समवर्ती सूची पर लाया गया

*माध्यमिक शिक्षा आयोग 1952-53 को मुदालियर कमीशन भी कहा जाता है

,*मुदालियर आयोग का कार्यक्षेत्र माध्यमिक शिक्षा था

*बहुद्देशीय स्कूल खोलने का सुझाव ताराचंद समिति ने दिया

*मुदालियर आयोग ने माध्यमिक शिक्षा के मुख्य दो उद्देश्य बताएं जिनमें लोकतांत्रिक नागरिकता का विकास एवं नेतृत्व शक्ति का विकास

*मुदालियर आयोग ने 5+ 6 + 3 की संरचना का सिफारिश की

*मुदालियर आयोग ने माध्यमिक स्तर के पाठ्यक्रम को 7 भागों में बांटा

*राष्ट्रीय शिक्षा आयोग **1964-66** को कोठारी आयोग भी कहा जाता है

*कोठारी आयोग संपूर्ण भारतीय शिक्षा के संपूर्ण स्तर से संबंधिवत था

*कोठारी आयोग के प्रतिवेदन का शीर्षक **शिक्षा एवं राष्ट्रीय प्रगति** है

*कोठारी आयोग में अपने प्रतिवेदन के शुरुआत में लिखा है **देश का भविष्य उसकी कक्षाओं में निर्मित हो रहा है**

***कोठारी आयोग में शिक्षा का बजट 6% करने की सिफारिश की**

*विद्यालय संकुल यानी स्कूल कॉन्प्लेक्स की स्थापना कि सिफारिश कोठारी आयोग ने की

*शिक्षा के उद्देश्यों में पंचमुखी कार्यक्रम कोठारी आयोग ने दिया

*कोठारी आयोग में वरिष्ठ विश्वविद्यालयों एवं स्वायत्त महाविद्यालयों की स्थापना का सुझाव दिया

*15 से 30 वर्ष की आयु के प्रोढो के लिए प्रौढ़ शिक्षा की सिफारिश की

*राष्ट्रीय शिक्षा आयोग ने उच्च शिक्षा के विस्तार पर रोक एवं उन्नयन पर बल दिया

*स्वतंत्र भारत की पहली शिक्षा नीति 1968 को आई